





खोया हुआ बेटा

लूका 15:11-32

यीशु के दृष्टांत

आज हम एक दृष्टांत कथा के बारे में बात करेंगे। दृष्टांत कथा एक ऐसी कहानी होती है जिसका एक अलग अर्थ होता है, एक ऐसी कहानी जिसका उपयोग किसी पाठ को समझाने के लिए किया जाता है।

यह एक काफी प्रसिद्ध दृष्टांत है, एक ऐसी कहानी जिसे शायद कई लोगों ने सुना होगा।

यह कहानी लूका की किताब से शुरू होती है, और सबसे पहले हम देखते हैं कि सभी कर वसूलने वाले और पापी यीशु को सुनने आए थे। हम यीशु के बारे में क्या जानते हैं? उनके आसपास हमेशा कौन-कौन रहते थे? बहुत सारे लोग! कर वसूलने वालों को कोई पसंद नहीं करता था; वे आमतौर पर बेईमान लोग होते थे; और पापियों को नीची नज़र से देखा जाता था।

फरीसी और शास्त्री इस बात की शिकायत कर रहे थे कि यीशु पापियों से बात कर रहे थे और उनके साथ भोजन कर रहे थे।

कर वसूलने वाले और पापी यीशु को सुनना चाहते थे। क्या उन्होंने उन्हें भगा दिया? क्या उन्होंने उनसे कहा कि वे उनसे बात नहीं कर रहे हैं? नहीं, यीशु ने ऐसा बिल्कुल नहीं कहा। लेकिन फरीसियों को लगा कि यीशु को यही कहना चाहिए था। वे यीशु के बारे में शिकायत कर रहे थे और कह रहे थे, यीशु इन लोगों को अपने पास क्यों आने दे रहे हैं? वे इनके साथ भोजन क्यों कर रहे हैं?

यीशु ने खोई हुई चीजों के बारे में तीन समान दृष्टांत सुनाकर फरीसियों को उत्तर दिया।

पहली कहानी जो वह सुनाता है, वह एक ऐसे आदमी की है जिसकी एक भेड़ खो गई थी। क्या आपने यह कहानी सुनी है? हम इस कहानी के बारे में विस्तार से नहीं बताएंगे, लेकिन उसने खोई हुई भेड़ के बारे में बताया और कैसे मालिक अपनी सभी भेड़ों को छोड़कर खोई हुई भेड़ को ढूँढने चला गया।

अगली कहानी वह एक महिला के बारे में सुनाता है जिसके पास चांदी के दस सिक्के थे लेकिन उसका एक सिक्का खो गया। वह क्या करती है? वह खोजती है, उसे वह सिक्का मिल जाता है, और फिर वह एक बड़ी पार्टी देती है।

फिर यीशु एक और खोई हुई चीज के बारे में एक कहानी सुनाते हैं, और यह कहानी उसी के बारे में है।

इस कहानी में तीन पात्र हैं; एक ऐसा व्यक्ति जिसके दो बेटे थे।

छोटा बेटा अपने पिता के पास आया और बोला, मैं चाहता हूँ कि आप मुझे मेरी चीजें दे दें।

किसी व्यक्ति की संपत्ति कब मिलती है? आमतौर पर उनकी मृत्यु के बाद। यदि आपके दो बेटे हैं और पिता की मृत्यु हो जाती है, तो आमतौर पर उस समय संपत्ति और सामान बेटों के बीच बाँट दिया जाता है।

मुझे वही चाहिए जो मेरा है।

क्या यह अब भी उनका है? नहीं। पिता अभी भी जीवित हैं।

यह कहानी इज़राइल में घटी। अगर आप उस समय की संस्कृति के बारे में थोड़ा शोध करें, तो आपको पता चलेगा कि छोटे बेटे की माँग शर्मनाक थी। यह एक धिनौनी माँग थी और पिता के लिए बहुत अपमानजनक थी। यह मूल रूप से अपने पिता से यह कहने जैसा था, 'काश तुम मर जाते, बस मुझे मेरा सामान दे दो।'

यह किसी चीज को जल्दी माँगने जैसा नहीं है।

यह पिता का बहुत बड़ा अपमान था।

यह उसके पिता के चेहरे पर थप्पड़ मारने जैसा था। यह एक तरह से अपने पिता से "मर जाओ" कहने जैसा था। अगर लोगों को पता चलता कि बेटे ने अपने पिता के साथ ऐसा किया है, तो उसकी बहुत बदनामी होती।

यह सरासर गलत था। लेकिन, उसने पिता से विरासत में अपना हिस्सा मांगा।

क्या पिता ने 'नहीं!' कहा और अपने बेटे को थप्पड़ मारा?

नहीं, पिता ने बेटे को ठीक वही दिया जो उसने मांगा था।

यह असामान्य था, और उस समय के अधिकांश पुरुष ऐसा नहीं करते थे। अगर कोई बेटा ऐसा करने को कहता, तो अधिकांश पिता कहते, नहीं, मैं मरा नहीं हूँ। यह असभ्य है, तुमने मेरा अपमान किया है, मुझे शर्मिंदा किया है, और यह गलत है। लेकिन इस आदमी ने अपने बेटे को ठीक वही दिया जो उसने मांगा था।





खोया हुआ बेटा

पिता को यह देना अनिवार्य नहीं था, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने स्वेच्छा से ऐसा किया। साथ ही, यह भी संभव प्रतीत होता है कि दूसरे बेटे को भी उसी समय अपनी विरासत मिल गई हो।

अपने पिता द्वारा अपनी संपत्ति का हिस्सा दिए जाने के बाद, छोटे बेटे ने अपना सारा सामान इकट्ठा किया और एक दूर देश में चला गया।

क्या आपको लगता है कि उसने अपने पैसे का निवेश किया, उससे और भी अधिक पैसा कमाया, वह बहुत बुद्धिमान था और उसने अच्छा प्रदर्शन किया?

नहीं, उसने ऐसा नहीं किया। उसने अपना सारा पैसा बेवकूफी भरी चीजों पर खर्च कर दिया। उसने अपनी सारी दौलत अय्याशी में बर्बाद कर दी। शायद उसने जुआ खेला, शायद उसने बहुत शराब पी, शायद उसने बहुत सारी पार्टियाँ कीं। चाहे जो भी हो, यह आदमी समझदार नहीं था और उसने अपना सारा पैसा बर्बाद कर दिया। लेकिन असल में, यह पैसा किसका था? यह तो उसके पिता का था क्योंकि उसके पिता अभी जीवित थे।

उसने एक-एक पैसा खर्च कर दिया।

वह न केवल कंगाल हो गया है, बल्कि देश में अकाल भी पड़ गया है। इसका क्या मतलब है?

चर्चा करना:

अकाल क्या होता है? यह वह समय होता है जब बारिश नहीं होती और पर्याप्त भोजन नहीं होता। फसलें नष्ट हो जाती हैं, फिर जानवर खा नहीं पाते और उनमें से कई जानवर भोजन और पानी की कमी के कारण मर जाते हैं। जो भी भोजन उपलब्ध होता है, वह बहुत महंगा होता है क्योंकि पर्याप्त मात्रा में भोजन नहीं होता और सभी भूखे रहते हैं।

क्या बेटे के पास खाना खरीदने के लिए पैसे हैं?

पुत्र एक विदेशी है। वह यहूदी है और एक दूर देश में गया है, संभवतः किसी गैर-यहूदी देश में, और उसे नौकरी की आवश्यकता है। पद 15 में बताया गया है कि वह इस देश में रहने वाले एक व्यक्ति से "जुड़ गया"। यह एक दिलचस्प शब्द है; यदि आप इसे मूल यूनानी में पढ़ें तो इसका अर्थ है "चिपकाना या बांधना"।

ऐसा लगता है कि उसे कोई मिल गया, शायद कोई परिचित, वह उनके घर गया और वे उसे वहाँ से जाने के लिए मना नहीं पाए। क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि कोई आपसे मिलने आया हो और आप चाहते हों कि वह घर चला जाए, लेकिन वह जाना ही न चाहता हो? लगता है छोटे बेटे के साथ भी यही हुआ; वह वहीं रुका रहा और अब उसका स्वागत नहीं किया जा रहा था। वह जाना नहीं चाहता था, इसलिए शायद उन्होंने उसे सबसे खराब काम दे दिया जो उन्हें मिल सका। उन्होंने यह भी सोचा होगा कि वह यह काम नहीं करना चाहेगा, इसलिए वह चला जाएगा।

उस व्यक्ति ने उसे खेतों में सूअरों को चारा खिलाने के लिए भेज दिया।

इसमें लिखा है "उसे भेजा", इसलिए हम अनुमान लगा सकते हैं कि वह रहने की जगह के बदले में सूअरों को खाना खिला रहा था।

यह शायद सबसे घटिया नौकरी है जो आपको मिल सकती है। अगर आपने यह नौकरी ली है, तो इसका मतलब है कि आपके पास कोई और विकल्प नहीं था। आप इस नौकरी को किसी और नौकरी से बेहतर कभी नहीं चुनेंगे। यह धिनौनी थी, बदबूदार थी, लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती।

चर्चा करना:

क्या आप जानते हैं कि यहूदी सूअरों के बारे में क्या सोचते थे? सूअर अपवित्र माने जाते थे। यहूदी उन्हें खाते नहीं थे और न ही पालते थे। इससे शायद यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह एक गैर-यहूदी देश था। यहूदियों के लिए सूअर सबसे नीच, सबसे धिनौना जानवर था। सूअर से बुरा कोई जानवर हो ही नहीं सकता था। सूअर कीचड़ में लोटते हैं और अपने भोजन में भी गंदे होते हैं।

सूअर क्या खाते हैं? लोग सूअरों को क्या खिलाते हैं?

सूअरों का भोजन बचा हुआ और जूठा होता है, लेकिन हड्डी जैसे अच्छे बचे हुए टुकड़े नहीं। सूअर थाली में बचे हुए गंदे टुकड़े खाते हैं जिन्हें कोई बचाना नहीं चाहता। सूअरों को वो बचा हुआ खाना खिलाया जाता है जिसे आप कूड़ेदान में फेंक देते हैं। सूअर मक्के के छिलके और भुट्टे भी खाते हैं, ऐसी चीजें जिन्हें इंसान खाना नहीं चाहते।





खोया हुआ बेटा

यह आदमी भूखा था।

क्या आपको कभी बहुत भूख लगी है? यह आदमी इतना भूखा था कि वह सूअरों के भुट्टे के छिलके भी खाना चाहता था। आप सोच सकते हैं कि उसके साथ वाले लोग पहले उसे जूठा खाना देंगे। शायद वे उसे सूअरों को देने से पहले जूठे खाने में से सबसे अच्छे हिस्से चुनने देंगे। लेकिन किसी ने भी उसे सूअरों का खाना तक नहीं दिया।

तब वह व्यक्ति "होश में आ गया" (लूका 15:17)।

चर्चा करना:

"स्वयं को समझने" का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है होश में आना।

क्या आपने कभी सोचा है, "मैं क्या सोच रहा था?"

या फिर, "यह बेवकूफी थी, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।"

तो छोटे बेटे ने सोचा, "मेरे पिताजी ने नौकर रखे हुए हैं। वे अपने नौकरों को खाना खिलाते हैं और उनके पास भरपूर रोटी होती है और खाना बच भी जाता है, और मैं यहाँ भूखा मर रहा हूँ।"

चर्चा करना:

इस बारे में सोचिए। यह थोड़ी सी जानकारी आपको उनके पिता के बारे में क्या बताती है?

उसके पिता के पास शायद धन है; उन्होंने नौकर रखे हुए हैं। हमें यह भी पता है कि इस बेटे ने काफी धन ले लिया, लेकिन उसके पिता के पास अभी भी जीवन यापन करने और अपनी संपत्ति का प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त धन है।

उसके पिता उदार व्यक्ति लगते हैं। लिखा है कि उसके नौकरों के पास रोटी की कोई कमी नहीं है। क्या उसके पिता अपने नौकरों को बस उतना ही देते हैं जितना उन्हें चाहिए? नहीं, वे यह सुनिश्चित करते हैं कि उनके पास भरपूर हो और कुछ बच भी जाए। उसके पिता उस मालिक से कहीं बेहतर मालिक लगते हैं जिसके यहाँ उसका बेटा सूअर पालता है।

बेटे ने एक योजना बनाई।

वह कहता है, मैं अपने पिता के पास जाऊंगा। मैं उन्हें बताऊंगा कि मैंने स्वर्ग और उनके खिलाफ पाप किया है, और मैं अब उनका बेटा कहलाने के योग्य नहीं हूँ।

मैं उससे कहूंगा कि वह मुझे अपने किराए के नौकरों में से एक की तरह बना दे।

हमें पक्का पता नहीं है कि वह आदमी सचमुच पछता रहा है या नहीं। क्या उसने वाकई अपनी गलती मान ली है? क्या उसे एहसास है कि यह सब उसी की गलती थी? या वह बस बेहतर जीवन जीने का रास्ता ढूँढ रहा है? पाठक को इसका सही जवाब नहीं पता।

बेटा घर वापस लौटता है। उसे शायद थोड़ा समय लगा होगा; हम जानते हैं कि वह एक दूर देश में था। जब वह अपने पिता के घर के करीब पहुँचता है, लेकिन फिर भी वह बहुत दूर होता है, तभी उसके पिता उसे आते हुए देख लेते हैं।

क्या दूर से लोगों को पहचानना मुश्किल होता है?



खोया हुआ बेटा

चर्चा करना:

इतनी दूर होने पर उसके पिता ने उसे कैसे देखा होगा? क्या आपको लगता है कि उसके पिता उसे ढूँढ़ रहे थे? क्या वे उसका इंतज़ार कर रहे थे? क्या उसके पिता को उम्मीद थी कि वह घर लौट आएगा? अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जिसे आप बहुत अच्छी तरह जानते हैं और वह दूर से आ रहा है, तो क्या आप उसे पहचान लेंगे क्योंकि आप उसे जानते हैं?

क्या आपको लगता है कि पिता को अपने बेटे की चिंता रही होगी? क्या उस समय फ़ोन होते थे? (नहीं) क्या उस समय डाक प्रणाली आज जैसी थी? (नहीं) क्या उन्हें पता होता कि उनका बेटा सुरक्षित है? क्या उन्हें पता होता कि उनका बेटा जीवित है? क्या आपको लगता है कि शायद वे सोच रहे होंगे कि अकाल में उनका बेटा बच गया या नहीं?

क्या आपको लगता है कि पिता हर दिन बेटे की तलाश कर रहा था, इस उम्मीद में कि शायद आज ही वह दिन होगा जब बेटा घर लौट आएगा?

पिता ने पुत्र को बहुत दूर से देखा, और पिता ने क्या किया?

वह भागा। पिता अपने बेटे की ओर दौड़ रहा है। क्या वह उसे देखकर उत्साहित है?

चर्चा करना:

क्या पिता को पता था कि बेटा घर क्यों लौट रहा है?

क्या उसे पता था कि बेटा अपने पिता से माफ़ी मांगने आ रहा है?

बेटा अपने पिता से और पैसे मांगने आया हो सकता था।

क्या पिता को पता है कि बेटा वापस क्यों आ रहा है?

क्या पिता को इस बात की परवाह है कि बेटा वापस क्यों आ रहा है?

क्या पिता पहले यह कहते हैं, "मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि तुम्हें पछतावा हो, या पहले मैं तुम्हें गले लगाऊंगा?"

क्या उसने दौड़ शुरू करने से पहले इन बातों का पता लगाने की कोशिश की? बिलकुल नहीं।

हमारा क्या? क्या हम कभी-कभी लोगों को माफ़ करने से पहले उनसे माफ़ी की उम्मीद करते हैं? क्या कभी-कभी हमारा रवैया ऐसा ही नहीं होता? क्या हम रिश्ते को फिर से जोड़ने से पहले किसी के माफ़ी मांगने की उम्मीद करते हैं?

क्या इस पिता को इस बात की परवाह थी कि बेटा माफ़ी मांगेगा या नहीं? पिता को यह नहीं पता कि बेटा वापस क्यों आ रहा है, उसे यह भी नहीं पता कि वह क्या कहेगा, फिर भी वह उससे मिलने के लिए दौड़ पड़ता है।

वह न केवल दौड़ता है, बल्कि बेटे पर गिर पड़ता है। वह उसे गले लगाता है, उसकी गर्दन में बाहें डालता है और उसे चूमता है।

उसे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि बेटे को पछतावा है या वह यहां क्यों आया है, लेकिन उसे इसकी परवाह नहीं थी।

पुत्र ने अपना तैयार भाषण शुरू किया। उसने कहा, मैंने स्वर्ग के विरुद्ध और आपकी दृष्टि में पाप किया है, और मैं अब आपका पुत्र कहलाने योग्य नहीं हूँ। इसका क्या अर्थ है?

पिता की प्रतिक्रिया क्या थी?

उसने क्या कहा? क्या पिता ने बेटे की बात का जवाब दिया? नहीं। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया; उन्होंने यह भी नहीं बताया कि वे सहमत हैं या असहमत; उन्होंने बेटे की बात पर कोई प्रतिक्रिया ही नहीं दी। पिता को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वे तो बस अपने बेटे के वापस आने से बेहद खुश हैं।

इसके बजाय पिता नौकरों से बात करने लगते हैं।

वह नौकरों को आदेश देता है कि वे सबसे अच्छा वस्त्र लाएँ और बेटे को पहनाएँ। वह उन्हें एक अंगूठी लाने और उसके हाथ में पहनाने और उसके पैरों में जूते पहनाने के लिए कहता है।



खोया हुआ बेटा

क्या आपको लगता है कि इस आदमी से बदबू आ रही थी? शायद उसने काफी समय से स्नान नहीं किया था? क्या उसने अच्छे कपड़े पहने थे? क्या उससे बदबूदार सूअरों जैसी गंध आ रही थी? अकाल पड़ा हुआ था; शायद उसके पास नहाने के लिए पानी भी नहीं था। वह शायद बहुत गंदा था। लेकिन पिता को इसकी परवाह नहीं थी।

सबसे अच्छा वस्त्र लाओ और उसे पहना दो।

यह वस्त्र सम्मान और प्रतिष्ठा का प्रतीक था। इससे पुत्र पुनः परिवार का हिस्सा बन गया और उसके किए गए अपराध से उपजे कलंक का निवारण हो गया। नौकरों के सामने ऐसा करने से यह स्पष्ट हो गया कि उसका अतीत भुला दिया गया है और परिवार में उसका मूल स्थान पूर्णतः बहाल हो गया है।

उसे अंगूठी पहना दो।

यह अंगूठी किस बात का प्रतीक है? वह मेरा है। यह इस बात का प्रतीक है कि वह हमारा है। वह परिवार का हिस्सा है।

यदि आप शादी की अंगूठी पहनते हैं, तो इसका मतलब है कि आप किसी के हैं। यह छोटा बेटा किसी का है। इस अंगूठी पर संभवतः कोई मुहर लगी होगी, और पिता ने इस अंगूठी को देकर बेटे को परिवार के लिए व्यापार करने का अधिकार दिया होगा।

उसके पैरों में जूते पहनाओ।

नौकर आमतौर पर नंगे पैर चलते थे। संभवतः यह व्यक्ति नंगे पैर इसलिए था क्योंकि वह नौकर था और सूअरों को चारा खिलाता था। जूते इस बात का प्रतीक थे कि वह परिवार का सदस्य था, नौकर नहीं, क्योंकि वह घर लौटते समय इसी तरह तैयार होकर आया था।

तब पिता ने कहा, "मोटा-ताजा बछड़ा लाओ।"

इस आदमी को इतनी मोटी गाय कहाँ से मिली? अकाल के कारण बाकी सबके जानवर भूखे मर रहे हैं, लेकिन इसके पास तो एक मोटी गाय है। जाहिर है, अकाल के दौरान इसके पास खाने की कमी नहीं हुई; इसने पहले से ही योजना बना रखी थी। इसकी गायों को भरपूर खाना मिला और इसने उन्हें खूब मोटा-ताजा करके खाने के लिए तैयार रखा था।

चलो जश्न मनाते हैं! मेरा बेटा मर गया था, और अब वह फिर से जीवित हो गया है। वह खो गया था और अब मिल गया है।

एक स्वस्थ बछड़ा कितने लोगों का पेट भर सकता है? एक बछड़े से बहुत सारे लोगों का पेट भरा जा सकता है।

पिता ने उनसे तैयार होने और पार्टी करने को कहा।

सामान्य तौर पर इस बेटे को वापस स्वीकार नहीं किया जाता। उसे शर्मिंदगी उठानी पड़ती, सबको पता चल जाता कि उसने क्या किया था। लेकिन पिता चाहते थे कि सबको पता चले कि बेटा लौट आया है, और अब उसे परिवार में फिर से स्वीकार कर लिया गया है।

इससे पिता की छवि खराब हो सकती थी क्योंकि बेटे द्वारा अपमानित किए जाने के बाद भी उन्होंने उसे वापस ले लिया था। लेकिन क्या पिता ने बेटे को वापस लेने में कोई संकोच किया? नहीं। पिता ने भव्य भोज और पार्टी के साथ उसका स्वागत किया।

शायद पिता अपने बेटे के लौटने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे और उन्होंने बेटे के लौटने पर पार्टी की योजना भी बना ली थी। उन्हें बड़ी पार्टी आयोजित करने में ज्यादा समय नहीं लगा। पार्टी वाकई शानदार रही होगी; संगीत और नृत्य का खूब आनंद लिया गया और संगीत की आवाज़ दूर खेत तक सुनाई दे रही थी।

मैदान में कौन-कौन मौजूद है?

दूसरा बेटा खेत में है। वह वहाँ काम कर रहा था, और जब वह घर के पास पहुँचा तो उसे संगीत की आवाज़ सुनाई दी। उसने एक नौकर को बुलाया और पूछा, क्या हो रहा है? मुझे क्या सुनाई दे रहा है? नौकर ने कहा, तुम्हारा भाई वापस आ गया है, और तुम्हारे पिता ने मोटा बछड़ा काटा है क्योंकि तुम्हारा भाई सुरक्षित यहाँ है, और हम तुम्हारे भाई के लिए दावत मना रहे हैं।

क्या बड़े भाई ने कहा, ओह अच्छा! मुझे बहुत खुशी है कि मेरा भाई सुरक्षित वापस आ गया! क्या वह भागा? तो क्या वह अपने भाई से मिलने पार्टी में जा रहा है?

नहीं। वह ईर्ष्यालु है, और वह क्रोधित है।

वह इतना नाराज़ है कि उसने पार्टी में जाने से इनकार कर दिया।

पिता अपने बड़े बेटे से बात करने के लिए बाहर आए। उन्होंने कहा, आओ हमारे साथ शामिल हो जाओ! हमारे पास खाना है, संगीत है, हम नाच रहे हैं, आओ पार्टी में शामिल हो जाओ!





खोया हुआ बेटा

भाई ने कहा, मैं सालों से आपके लिए काम कर रहा हूँ, और मैंने हमेशा वही किया है जो आपने मुझसे कहा है। आपने मुझे कभी अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने के लिए एक बकरी तक नहीं दी। वह कह रहा है कि यह उचित नहीं है।

फिर वह सारा दोष पिता पर डाल देता है। वह कहता है, जैसे ही "तुम्हारा बेटा" घर आया, वही बेटा जिसने तुम्हारा सारा पैसा फिज़ुलखर्ची में उड़ा दिया, तुमने खूब मौज-मस्ती की और जश्न मनाया। बड़े भाई को शायद पता था कि उसके छोटे भाई ने पैसा किन चीज़ों पर खर्च किया, लेकिन हमें नहीं पता कि वह सिर्फ अनुमान लगा रहा था या छोटे बेटे की हरकतों के बारे में अफवाहें फैली हुई थीं।

तब पिता ने बड़े भाई से कहा, तुम हमेशा मेरे साथ हो।

मेरे पास जो कुछ भी है, वह सब तुम्हारा है। तुम सब कुछ ले सकते हो। तुम हर समय यहीं हो। अच्छा हुआ कि हमने जश्न मनाया और खुशियाँ मनाईं। फिर पिता बड़े भाई से व्यक्तिगत रूप से कहते हैं, "तुम्हारा भाई" मर गया था, और अब फिर से जीवित हो गया है। वह खो गया था, और अब मिल गया है।

कहानी यहीं समाप्त हो जाती है, और पाठक को यह पता नहीं चलता कि बड़े भाई ने अपना मन बदल लिया और पार्टी में गया या नहीं।



कहानी में यीशु



पापी और कर वसूलने वाले छोटे बेटे का प्रतिनिधित्व करते हैं, और फरीसी बड़े भाई का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ये वे लोग थे जिन्होंने सभी आज्ञाओं का पालन किया, लेकिन वे पिता के हृदय को कभी नहीं समझ पाए। कहानी यहीं समाप्त होती है। अब फरीसियों के सामने यह निर्णय करने का विकल्प बचा है कि वे पिता की क्षमा में शामिल होंगे या नहीं। क्या वे उस "दल" में शामिल होने का फैसला करेंगे, जो स्वर्ग के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है?

पिता को कोई पछतावा नहीं था; उन्होंने अपने बेटे के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया था। वे बेटे से कर्ज़ चुकाने के लिए कह सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

यह पिता किसका प्रतिनिधित्व करता है? वह ईश्वर का प्रतिनिधित्व करता है। वह हमारे पिता का प्रतिनिधित्व करता है, जो हमेशा हमसे प्रेम करते हैं, जो हमें ढूँढने आते हैं, और हमारे उनके पास आने की प्रतीक्षा करते हैं।

उनका प्रेम सशर्त नहीं है। वे क्षमा करने के लिए कोई शर्त नहीं रखते; उन्होंने हमें पहले ही क्षमा कर दिया है। वे हमारे द्वारा उनकी क्षमा स्वीकार करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि हम उनके पास आएँ, अपने हृदय खोलें और जो उन्होंने हमें दिया है उसे स्वीकार करें।

यीशु हमारे पापों के लिए मर गया ताकि हम उसकी धार्मिकता का वस्त्र प्राप्त कर सकें (यशायाह 61:10)।

जो वस्त्र पिता ने पुत्र को पहनाया, वही धार्मिकता का वस्त्र है जो हमें यीशु से तब मिलता है जब हम उस पर विश्वास करते हैं।

यीशु परिपूर्ण थे; उन्होंने कभी पाप नहीं किया। हम पाप करते हैं, लेकिन जब हम यीशु पर विश्वास करते हैं, तो हमें धार्मिकता का यह वस्त्र प्राप्त होता है जो हमें परमेश्वर की दृष्टि में शुद्ध करता है। जब हम परमेश्वर के पास आते हैं और उनके राज्य में प्रवेश करते हैं, तो परमेश्वर हमें यह वस्त्र प्रदान करते हैं। जिस प्रकार कथा में पिता ने अपने खोए हुए पुत्र के पापों को अपने वस्त्र की महिमा से ढक दिया, ठीक वैसे ही हमारे साथ भी होता है जब हम यीशु पर विश्वास करते हैं।

पाठ के प्रश्न और स्मरण श्लोक

37. खोया हुआ सिक्का

1. जब इस महिला का सिक्का खो गया तो उसने क्या किया?
2. जब उसे वह चीज़ मिली तो उसने क्या किया?
3. उसने किसे बताया?
4. जब कोई पश्चाताप करता है तो परमेश्वर के दूत क्या करते हैं?

सपन्याह 3:17

तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे साथ हैं। वह शक्तिशाली सैनिक सा हैं। वह तुम्हारी रक्षा करेगा। वह दिखायेगा कि वह तुम से कितना प्यार करता है। वह दिखायेगा कि वह तुम्हारे साथ कितने प्रसन्न है। वे हसेगा और तुम्हारे बारे में ऐसे प्रसन्न होगा

38. खोया हुआ बेटा

रोमियों 8:35-39 पढ़ें

1. कौन सी बात हमें ईश्वर के प्रेम से अलग कर सकती है?
2. क्या मृत्यु हमें ईश्वर के प्रेम से अलग कर सकती है?
3. हमें स्वर्गदूतों, स्वर्ग के शासकों या किसी और द्वारा अलग नहीं किया जा सकता है?
4. अब हम अलग नहीं हो सकते, है ना?

1 यूहन्ना 4:7-8

हे प्यारे मित्रों, हम परस्पर प्रेम करें। क्योंकि प्रेम परमेश्वर से मिलता है और हर कोई जो प्रेम करता है, वह परमेश्वर की सन्तान बन गया है और परमेश्वर को जानता है। 8 वह जो प्रेम नहीं करता है, परमेश्वर को नहीं जान पाया है। क्योंकि परमेश्वर ही प्रेम है।

39. आपके दिल में क्या भरता है?

1. हमारे शब्द कहाँ से आते हैं?
2. एक अच्छे इंसान के दिल से क्या निकलता है?
3. एक दुष्ट व्यक्ति के हृदय से क्या निकलता है?
4. हम परमेश्वर के सामने किन बातों का हिसाब देंगे?

लूका 6:45

एक अच्छा मनुष्य उसके मन में अच्छाइयों का जो खजाना है, उसी से अच्छी बातें उपजाता है। और एक बुरा मनुष्य, जो उसके मन में बुराई है, उसी से बुराई पैदा करता है। क्योंकि एक मनुष्य मुँह से वही बोलता है, जो उसके हृदय से उफन कर बाहर आता है।

40. अंगूर के बाग में काम करने वाले मज़दूर

इफिसियों 2:8-9 पढ़ें

1. हमें किसने बचाया है?
2. हमें किस चीज़ से बचाया गया है?
3. क्या हमने जो कुछ किया, उससे हमारी जान बच गई?
4. हमें ईश्वर से क्या मुक्ति मिली?
5. यदि यह हमारे कर्मों से होता तो हम क्या कर पाते?

तीतुस 3:5

5 उसने हमारा उद्धार किया। यह हमारे निर्दोष ठहराये जाने के लिये हमारे किसी धर्म के कामों के कारण नहीं हुआ बल्कि उसकी करुणा द्वारा हुआ। उसने हमारी रक्षा उस स्नान के द्वारा की जिसमें हम फिर पैदा होते हैं और पवित्र आत्मा के द्वारा नये बनाए जाते हैं।

